BBF-16070601064100 Seat No. _____

B. R. S. (Sem. VI) (CBCS) (WEF-2016) Examination

July - 2021

Hindi : Core-22

(New Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : (१) सभी प्रश्नों के अंक समान है ।
(२) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

१ परसाईजी का संक्षिप्त जीवन परिचय देकर उनके कृतित्व पर प्रकाश डालिए । १४

२ निबंध के उद्‌भव–विकास की विस्तृत जानकारी दीजिए । १४

३ 'अशोक के फूल' निबंध का कथानक लिखिए । १४

४ 'हम बिहार में चुनाव लड़ रहे हैं' निबंध में व्यक्त व्यंग्य पर प्रकाश डालिए । १४

५ परसाईजी की व्यंग्य–दृष्टि की चर्चा कीजिए । १४

६ रवीन्द्रनाथ के राष्ट्रीय गान निबंध के कथानक को अपने शब्दों में लिखिए । १४

७ हजारी प्रसाद द्विवेदी के जीवन–कवन पर प्रकाश डालिए । १४

८ 'आपने मेरी रचना पढ़ी' निबंध का सारांश लिखकर उनकी विशेषताओं की चर्चा कीजिए । १४

९ ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : १४

(१) 'चंद्रलोक में इस चमत्कार की खबर फैल गयी । लोग मातादीन को देखने आने लगे कि वह आदमी कैसा है जो तनख्वाह कम करके सक्षमता ला देता है ।'

(२) 'भगवान को साक्षी करके अदालतों में जितना झूठ बोला जाता है, उतना भगवान की पीठ पीछे नहीं ।'

१० ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : १४

(१) 'राजनैतिक पराधीनता बड़ी बुरी वस्तु है । वह मनुष्य को जीवन–यात्रा में अग्रसर होने वाली सुविधाओं से वंचित कर देती है । हमने उस पराधीनता की जंजीरें तोड़ दी है । लेकिन सुविधाओं को पालना ही बड़ी बात नहीं है, प्राप्त सुविधाओं को मनुष्य मात्र के मंगल के लिए नियोजित कर सकना ही बड़ी बात है ।'

(२) 'रवीन्द्रनाथ ने इस भारत वर्ष को महामानव समुद्र कहा है । विचित्र देश है यह ! असुर आये, आर्य आये, शक आये, हुण आये, नाग आये, यक्ष आये, गंधर्व आये – न जाने कितनी मानवजातियाँ यहाँ आई और आज के भारत वर्ष को बनाने में अपना हाथ लगा गई ।'